मैं आरती तेरी गाऊं,
ओ अम्बे मात भवानी,
मैं नित नित शीश नवाऊं,
ओ दुर्गे माँ महारानी।।

तर्ज मैं आरती तेरी गाउँ ओ केशव।

है तेरा रूप निराला,
सच मुच में भोला भाला,
तुझसा ना प्यारा कोई,
ओ शेर सवारी वाली,
मैं आरती तेरी गाऊ,
ओ अम्बे मात भवानी।।

जो आये शरण तिहारी,
विपदा मिट जाए सारी,
हम सब पर कृपा करना,
ओ भक्तो की प्राण पियारी,
मैं आरती तेरी गाऊ,
ओ अम्बे मात भवानी।।

तूने शुम्भ निशुम्भ को मारा,
तूने चंड मुण्ड संहारा,
तूने देवो के प्राण बचाये,

ओ सृष्टि आधार भवानी,
मैं आरती तेरी गाऊ,
ओ अम्बे मात भवानी।।

जो गाएं आरती तुम्हारी,
तर जाए नर और नारी,
हम आये शरण तिहारी,
ओ अष्ट भुजाओ वाली,
मैं आरती तेरी गाऊ,
ओ अम्बे मात भवानी।।

मैं आरती तेरी गाऊं,
ओ अम्बे मात भवानी,
मैं नित नित शीश नवाऊं,
ओ दुर्गे माँ महारानी।।

प्रेषक
दुर्गेश शर्मा
9165284418
* वीडियो उपलब्ध नहीं।

Source:
https://www.bharattemples.com/main-aarti-teri-gaun-o-ambe-maat-bhawani/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw